Live in the Spirit

सीड़ फॉर लिविंग

ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज मासिक प्रकाशन अक्टूबर २०१४

परमेश्वर की उपस्थिति को खोजो और आप उनके वरदान पाओगे

पवित्र शास्त्र कहता है, कि परमेश्वर उन्हें प्रतिफल देते है, जो पुरी श्रद्धा से उन्हें खोजते है। (इब्रानियों ११:६) दुर्भाग्यवश, इन दिनों, लोग परमेश्वर को, जैसे वो है, उन्हें वैसे नहीं खोजते बल्कि उनसे क्या पा सकते है, यह खोजते है। वो परमेश्वर को बक्से में बंद कर रखते है, और हर रविवर की सुबह ४५ मिनट के लिए उन्हें बाहर निकालते है। और ऐसा करने की वजह यह नहीं, क्योंकि वो परमेश्वर से प्यार करते है, बल्कि वो केवल अपने दायित्व को पूरा करना चाहते है।

पवित्र शास्त्र हमें यह सलाह देता है, कि हम जो भी काम करें, उसमे परमेश्वर को स्मरण करें। हम ऐसा कैसे कर सकते है? ठीक है, आप उनका धन्यवाद करते हुए शुरु कर सकते हो। केवल बड़ी बातों के लिए ही नहीं; बल्कि छोटी बातों में भी उनका धन्यवाद करो। उदाहरण के तौर पर, अगर आप किसी ट्रैफिक में बिना फँसे घर लौटने में कामयाब होते हो, तो इस बात के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करो। अगर आपने अपने भोजन का आनंद लिया तो, इसलिए परमेश्वर का धन्यवाद करो। यदि आपको रात में अच्छी नींद आयी तो परमेश्वर का धन्यवाद करो। अगर आप परमेश्वर के प्रति आभार का रवैया विकसित करते हो, तो आपके जीवन में चीजें बदलना शुरु हो जाऐंगे।

अगर आप परमेश्वर में बने रहते हो, और वे आपमे, तो आप बहुत फल उत्पन्न करोगे। एक व्यक्ति जो दिल से परमेश्वर को खोजता है, वह अपने जीवन के हर एक पहलु में बहुतायत में फसल की अपेक्षा कर सकता है। सबसे पहले, परमेश्वर आपको, जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण से आशिर्वादित करेंगे। वे आपकी मदद करेंगे ताकि आप अपनी "बदबूदार सोच" मानसिकता से मुक्ति पाए और आपमें एक नया दिल और नयी आत्मा रचेंगे। वे आपका भोजन और पानी आशिर्वादित करेंगे। वे आपको हर एक रोगों से चंगाई देंगे। वे आपको जीवन के लिए एक नया उत्साह देंगे। आपकी शादी कामयाब होगी, आपका आपसी रिश्ता खिलेगा, आपके जीवन की गुणवत्ता (या आपके जीवन का ढ़ंग) निखरेगा, और आप एक बहतर इंसान बनोगे।

तो मैं येशू के उदाहरण से आपको संक्षेप में बताता हूँ: इसलिए पहले तुम परमेश्वर के राज्य और उसके धर्म की खोज करो, तो ये सब वस्तुएँ भी तुम्हें मिल जाएँगी। (मत्ती ६:३३)

–ब्रदर मैन्युएल मेरगुल्याओं

Without...

Some say, without a woman,
I am incomplete.
Some say, without children,
I am discontented.
Some say, without parents,
I am lost in life.
Some say, without friends,
I can't survive.
Many say, without money,
My life is impossible.
Everybody needs
Somebody or something
But God says, without Me,
You are nothing.

– Brenda Dias

K4C Corner

WORD SEARCH

God's Lost And Found - Luke 15:1-10

T	C	S	C	O	L	L	E	C	T	O	R	E	V	Y
O	L	P	Z	N	P	T	S	P	D	M	C	I	E	V
Y	P	S	A	E	R	T	A	N	L	I	L	E	H	U
A	H	M	E	K	I	H	E	X	O	A	S	I	O	P
U	O	W	S	N	Z	I	E	J	I	I	M	X	U	M
W	S	G	A	I	R	L	E	A	R	G	C	P	S	N
E	Q	L	R	F	L	R	T	A	V	R	S	Q	E	S
O	T	N	O	K	C	V	H	C	Y	E	O	E	L	I
T	R	Q	E	S	K	P	E	G	O	P	N	E	Q	N
E	E	X	X	I	T	F	R	R	I	I	G	F	Y	O
A	P	F	U	R	G	E	M	I	Y	N	N	O	S	X
C	E	B	Z	X	N	H	H	E	A	E	B	U	H	X
H	N	K	S	N	H	B	B	N	P	T	K	N	E	M
E	T	X	I	R	H	C	O	O	P	G	N	D	E	Q
R	P	S	X	T	S	E	Y	J	R	S	Y	R	P	M

SILVER
PHARISEE
NEIGHBOR
HOUSE
ANGELS
COIN
SWEEP
WOMAN
TAX
HEAVEN

FOUND
SINNER
COLLECTOR
REPENT
LOST
REJOICE
TEACHER
SHEEP
FRIEND
LAMP

परमेश्वर के वादों के द्वारा परिवर्तन–भाग २

इस लेख में अपके लिए परमेश्वर के कुछ शानदार वादों का उल्लेख किया गया हैं, जो उद्धार के उन सात मुद्दों से संबंधित है, जिसका जिक्र मैने अपने पिछले लेख में किया था। मैं आपसे विनती करती हूँ, कि आप सच्चे दिल से इन पर मनन करें।

१ और २ छुटकारा और पापों की माफी

अ) "यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है ... और उसके पुत्र येशू का लहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।" (१ यूहन्ना १:९,७)

ब) "हम को उसमें उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् पापों की माफी, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।" (इफिसियों १:७)

स) "अतः जब कि हम अब उसके लहू के कारण धर्मी ठहरे, तो उसके द्वारा परमेश्वर के क्रोध से क्यों न बचेंगे? (रोमियों ५:९)

इन सारें तीन वादों में, लिखा है, कि माफी और छुटकारा येशू के लहू में ही है। परमेश्वर आपको इसलिए माफ नहीं करते क्योंकि वे सोचते है, कि आप "बहुत अच्छे" हो। नहीं! बल्कि परमेश्वर की यह इच्छा हैं कि सारे लोग, चाहे वो जहाँ भी है, पश्चाताप करें और येशू मसीह में भरोसा करें, ताकि वे उन्हें खुशी खुशी माफ करें। छुटकारा दिलाना इतना आसान नहीं था; इसके लिए कलवरी के क्रुस पर पुत्र येशू मसीह का बलिदान आवश्यक था। अब, अगर परमेश्वर वह कीमत चुका सकते है, और अगर येशू भी वो दाम चुका सकते है, तो जो भी उनका नाम पुकारते है, क्या वो उन्हें छुटकारा दिलाने के लिए राजी नहीं होंगे?

हम इस वादे की गहराई पर ध्यान देंगे:

"अतः हम इन बातों के विषय में क्या कहें? यदि परमेश्वर हमारी ओर है, तो हमारा विरोधी कौन हो सकता हैं। जिसने अपने निज पुत्र को भी न रख छोड़ा, परंतु उसे हम सब के लिए दे दिया, वह उसके साथ हमें और सब कुछ क्यों न देगा?" (रोमियों ८:३१–३२)

और यह, न्याय से बचने और अनंत मृत्यु के बारे में:

"मैं तुमसे सच सच कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले पर विश्वास करता है, अनंत जीवन उसका है; और उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती परंतु वह मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।" (यूहन्ना ५:२४)

इन अध्यायों में जो गरहाई है और जो कभी न बदलनेवाली सच्चाई उसे समझो और अपना बनालो।

३. नया जन्म

"इसलिये यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि हैः पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो, सब बातें नई हो गई हैं।" (२ कुरिंथियों ५:१७)

"जिसका यह विश्वास है, कि येशू ही मसीह है, वह परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है; और जो कोई उत्पन्न करनेवाले से प्रेम रखता है, वह उस से भी प्रेम रखता हैं, जो उससे उत्पन्न हुआ है।"

४. मसीह को ग्रहण करना

"परंतु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर की संतान होने का अधिकार दिया, अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास रखते हैं। वे न तो लहू से, न शरीर की इच्छा से, न मनुष्य की इच्छा से, परंतु परमेश्वर से उत्पन्न हुए हैं।" (यूहन्ना १:१२–१३)

५. अनंत जीवन

"क्योंकि परमेश्वरने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नष्ट न हो, परंतु अनंत जीवन पाए। परमेश्वर ने अपने पुत्र को जगत में इसलिये नहीं भेजा कि जगत पर दण्ड की आज्ञा दे, परंतु इसलिये कि जगत उसके द्वारा उद्धार पाए। जो उस पर विश्वास करता है, उस पर दण्ड की आज्ञा नहीं होती, परंतु जो उस पर विश्वास नहीं करता, वह दोषी ठहर चुका; इसलिए कि उसने परमेश्वर के एकलौते पुत्र के नाम पर विश्वास नहीं किया।" (यूहन्ना ३:१६–३६)

"जिनके द्वारा उसने हमें बहुमूल्य और बहुत ही बड़ी प्रतिज्ञाएँ दी है : ताकि इनके द्वारा तुम ईश्वरीय स्वभाव के सहभागी हो जाओ।" (२ पतरस १:४)

येशूने कहा, "और यदि मैं जाकर तुहारे लिये जगह तैयार करुँ, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहाँ ले जाऊँगा कि जहाँ मैं रहूँ वहाँ तुम भी रहो।" (यूहन्ना १४:३)

"पर हमारा स्वदेश स्वर्ग पर है; जहाँ से हम व्याकुलता से हमारे उद्धारकर्ता प्रभू येशू मसीह के आने की राह देख रहे हैं। वह अपनी शक्ति के उस प्रभाव के अनुसार जिसके द्वारा वह सब वस्तुओं को अपने वश में कर सकता है, हमारी दीन–हीन देह का रुप बदलकर, अपनी महिमा की देह के अनुकूल बना देगा।" (फिलिप्पियों ३:२०–२१)

६. पवित्र आत्मा को पाना

"पर्व के अंतिम दिन, जो मुख्य दिन है, येशू खड़ा हुआ और पुकार कर कहने लगा, "यदि कोई प्यासा हो तो मेरे पास आए और पीए। जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में लिखा है, 'उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी।' उसने यह वचन पवित्र आत्मा के विषय में उन विश्वास करनेवालों से कहा था, जो उसे पाने वाले थे।" (यूहन्ना ७:३७–३९)

"परंतु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे।" (प्रेरितों १:८)

"क्या तुम नहीं जानते कि तुम्हारा शरीर पवित्र आत्मा का मंदिर है, जो तुम में बसा हुआ है और तुम्हें परमेश्वर की ओर से मिला है; और तुम अपने खूद के नहीं हो?" (१ कुरिंथियों ६:१९)

"हम उन चीजों को क्या कहें?" हम इन शानदार वादों का क्या करें? मेरी दिल से यह इच्छा है, कि आप इस लेख में लिखे हुए हर एक अध्याय को चबाये (ध्यान से पढ़े), उसे हजम करें (समझे) और जैसे आप उन्हें चबाते हो, उसे आपके लहू के हर एक कतरे में बहने दो।

"तो हम लोग ऐसे बड़े उद्धार से निश्चिंत रहकर कैसे बच सकते हैं?" (इब्रानियों २:३)

आपके साथ परमेश्वर के विवाद को सुनोः

"अपनी प्रसन्नता के समय मैं ने तेरी सुन ली, और उद्धार के दिन, मैं ने तेरी सहायता की। देखो, अभी वह प्रसन्नता का समय है; देखो, अभी वह उद्धार का दिन है।" (२ कुरिंथियों ६:१९)

आपके लिए यह और एक वादा है! आज आपके लिए उद्धार उपलब्ध है, केवल परमेश्वर के वादे पर यकिन करो और अपने उद्धारक येशू मसीह पर भरोसा रखो कि वो आपको उद्धार देगा।

हमारे आनेवाले बुलेटिन में, आपके लिए ऐसे सैकड़ों वादें आ रहें है, जिनपर आप मनन करें और एक पूर्ण और बहुतायत का जीवन जीयेः

वादा आपकेः पुनरप्राप्ति

जीत – मुक्ति – सुरक्षा पवित्र आत्मा दूसरों पर भरोसा करने का वादा करता है और बहुत से बहुमूल्य वादों का।

पवित्र आत्मा में जीओ!

– बहन लिनेट मेरगुल्याओं

परमेश्वर का तरीका या राजमार्ग

शादी का लेखक, परमेश्वर ही है। और जब तक आप शादी के बारे में अपनी राय उस आधार पर कायम करोगे, जो इस दुनिया में हो रहा है, तब तक आपको शादी का सही अर्थ पता नहीं चलेगा।

परमेश्वरने अपनी बुद्धि से, शादीशुदा जोड़ों को दो मूल सूचनाएँ दीः पत्नियों, अपने पति के अधीन रहो, पतियों, अपनी पत्नी से प्रेम रखो। (इफिसियों ५)

बहुत से लोग यह सुनते ही आवेश में अपना आपा खो देते है और उन्हें ऐसा करके कुछ भी हासील नहीं होता क्योंकि वो "अधीन " इस शब्द का अर्थ समझे बिना ही, उसपर अटककर रह जाते है।

"अधीन" कहते हुए, परमेश्वर आपको गुलाम की तरह बनकर रहने की सलाह नहीं दे रहे। यह शैतान है, जो आपके मन में चीजों को उलझाने की कोशिश कर रहा है, ताकि आप उजाला (सच्चाई) न देख सको। वास्तव में परमेश्वर आपको यह सुझाव देना चाहते है, कि आप अपने पति से इस हद तक प्यार करो और आदर दो कि जब आप बाहर किसी दुकान में जाना चाहती हो और आपका पति आपसे कहता है, "मुझे लगता है, कि अच्छा होगा अगर हम घर पर ही रहे", तब आप अपने आपको शांत करो और कहो ठीक है, "अगर तुम ऐसा ही चाहते हो, तो हम घर पर ही रहेंगे... क्योंकि जहाँ तुम हो मैं भी वही रहना चाहती हूँ। "

परमेश्वर पतियों को भी यह चुनौती देते है, कि वो अपनी पत्नीयों से इस कदर प्यार करे की हर समय जब वो कुछ करना चाहे जिसके बारे में आप उत्सुक नहीं है, तो बिना परेशान हुए, भावनात्मक या शारीरिक रुप से अपने पत्नी को मारे नहीं। और जो इंसान ऐसा करता है, वह अपने आपसे प्यार नहीं करता... और यह बात उनके व्यवहार से जाहिर होती है, जो वो अपने जीवनसाथी के साथ करते है। अगर आप जानना चाहते हो, कि एक इंसान अपने बारे में क्या सोचता है, तो वह अपनी पत्नी से कैसे बरताव करता है, वो देखो।

परमेश्वर चाहते है, कि हम यह भलीभाँति समझले कि शादी प्यार और बलिदान के बारे में है। हर बार जब आप कुछ करने की चाहत को या फिर जो आप कहना चाहते हो उसे क्रुस पर चढ़ाते हो और अपने आपको शांत करते हो, तब इसे बलिदान करना कहते है।

हर बार आप आपने जीवनसाथी और अपने बच्चों को चिल्लाना चाहते हो, लेकिन उस समय आप कहोः "नहीं, आज मै गुस्सा नहीं करुँगा, मैं बलिदान कर रहा हूँ। परमेश्वर इस प्रकार के बलिदान को स्वीकारते है, क्योंकि यह उनके लिए प्रसन्न करनेवाला सुगंधीत इत्र के समान है।

चुप रहने का फैसला करके, आप अपने जीवनसाथी से यह जरुर कहते हो कि, "तुम मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हो।" तुम प्यार जाहिर करते हो। और ऐसी शादियाँ जो इस प्रकार के प्यार पर आधारित होती है, वह अनंत तक कायम रहती है।

तलाक के मामले बढ़ते ही जा रहे है, क्योंकि हमारी पीढ़ीने शादी के बारे में पहले ही यह राय कायम करली है, कि शादी यह सुखभोग की नाव है। उन्हें यह समझ नहीं आता कि शादी का मतलब यह नहीं कि आप क्या पा सकते हो, बल्कि इसका अर्थ है, कि आप क्या दे सकते हो। परमेश्वर शादी के लेखक है। आप उनका तरीका अपना सकते हो या फिर राजमार्ग स्वीकार सकते हो।

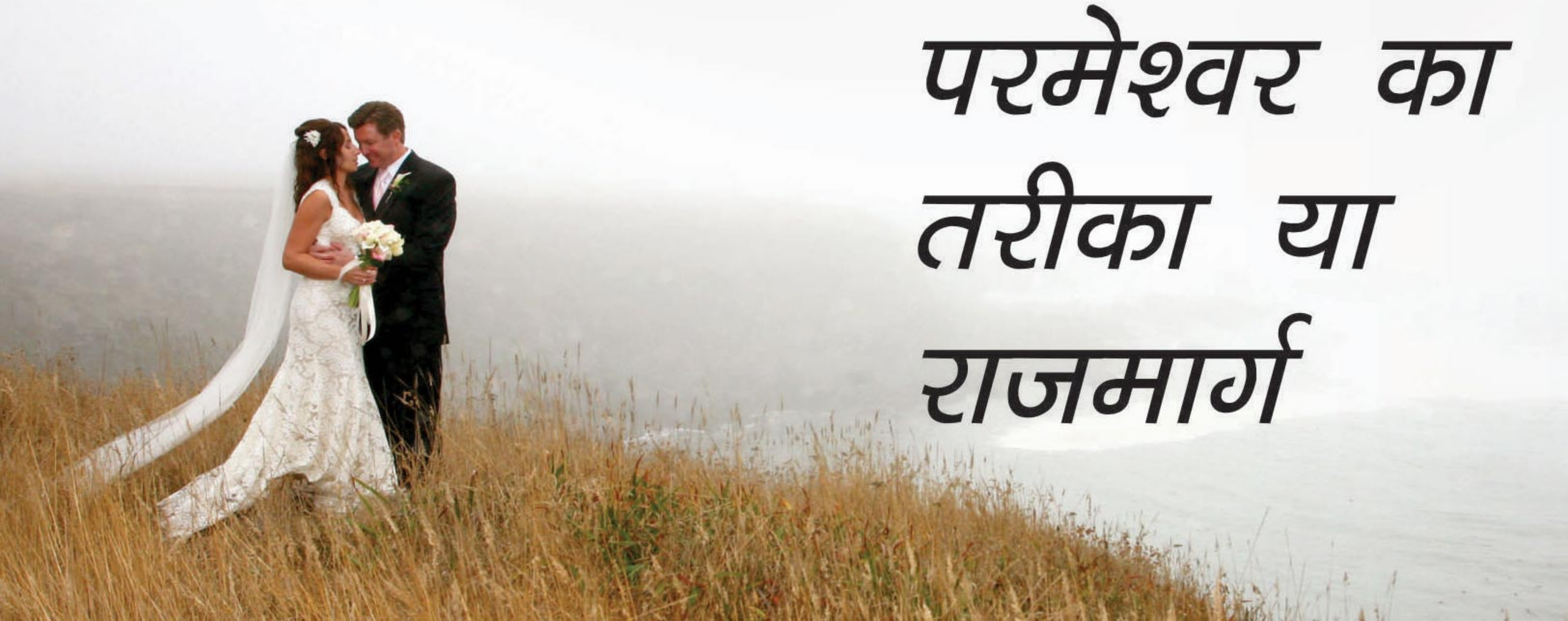

बी.एम. एम के कार्यक्रम – अगस्त २०१४

महा सब्त का उत्सव

ब्रदर मैन्युएल का, प्रार्थना याचना और काउन्सलिंग फॉर्म पर प्रार्थना करना

स्वतंत्रता दिन पर खास आयोजन – बी.एम.एम युवक

सिस्टर लिनेट का जन्मदिन और बी.एम.एम के नये ऑफिस का उद्घाटन

गवाहियाँ

ग वा हि याँ

मेरे घुटने पर चोट लगी थी, जिसकी वजह से ना तो मैं आराम से चल पा रही थी और ना ही मेरे पैर को फैला सकती थी। मैं ने आशिर्वादित तेल लगाया और येशू के लहू मे प्रार्थना करने लगी। मै ने सोचा कि, मैं डॉक्टर के पास जाऊँ, लेकिन फिर मै ने प्रार्थनासभा में आने का फैसला किया। दर्द होने के बावजूद, मैं स्तुति प्रशंसा के दौरान कुद रही थी और नाच रही थी। उसके बाद मै घर जाकर सो गयी। सुबह जब मेरी नींद खुली तो मैने महसूस किया कि मेरा दर्द पुरी तरह से जा चुका है। मै येशू मसीह का धन्यावाद करती हूँ, कि उन्होंने मुझे चंगाई दी।

–वैनसा फर्नांडीस

मैं ब्रदर मैन्युएल द्वारा आयोजित सारी प्रार्थनासभाओं में आता हूँ, और निरंतर प्रार्थना करता हूँ। मेरा बेटा पाँच सालों तक जेल में था। लेकिन परमेश्वरने उसे माफ किया। उसकि सजा कम करदी गयी और उसे डेढ़ साल पहली ही जेल से छोडा गया। मेरा यकिन है, कि यह केवल मेरी प्रार्थना और बीज बोने से संभव हुआ है। मैं हमेशा मेरे व्यवसाय और मेरे बेटे के लिए बीज बोता हूँ और मेरा बीज बोना कभी भी व्यर्थ नहीं जाता। अब मेरे परिवार में शांति है और मेरा व्यवसाय भी उन्नति कर रहा है। धन्यवाद येशू और ब्रदर मैन्युएल मिनिस्ट्रिज। आज मै सचमुच बहुत ही खुश हूँ।

–बालू नाग्रे

मुझे चक्कर आ रहे थे, जिसकी वजह से ना मैं खड़ी रह सकती थी, ना सो सकती और नाही नीचे देख सकती थी। फिर भी मैं ने सारे दिल से परमेश्वर के स्तुति प्रशंसा में भाग लिया और शैतान से कहा 'मेरे पिछे हो ले'। मैं ब्रदर मैन्युएल के पास गयी और उन्होंने मेरे लिए प्रार्थना की। जब मैं घर पहुँची, तो चक्कर आना बंद हो गया था। मुझे चंगाई मिल गयी। धन्यवाद येशू।

–कारमेलिन फर्नांडीस

मै सेल्ज डिपार्टमेंट में काम करता हूँ, और कभी कभी जो लक्ष्य हमें दिया जाता है, उसे पूरा करने के लिए जो दबाव हम पर होता है, वह बरदाश के बाहर होता है। मैं अपने कंमनी के लिए तीन एसे प्रोजेक्ट संभाल रहा था, जिसकी किमत बहुत ज्यादा थी। मैं ने ब्रदर मैन्युएल से, मेरे लिए प्रार्थना करने को कहा और मैं लगातार उन्हें इस प्रोजेक्ट की छोटी से छोटी खबर देता रहा। मुझे यह गवाही देते हुआ बड़ी खुशी महसूस हो रही है, कि हम तीन प्रोजेक्ट मे से, एक के साथ डील (कारोबार) करने में कामयाब हो गये। और अब मुझे यह आत्मविश्वास है, कि हम वो दो प्रोजेक्ट भी जल्द ही हासील कर लेंगे। मैं अपने टीम (गिरोह) से केवल एक ही बात कहता हूँ: परमेश्वर तुम्हारे साथ है और तुम जरुर जीतोगे। धन्यवाद प्रभू, धन्यवाद ब्रदर मैन्युएल।

–विनेश पेपरवाला

रिट्रिट & शुभसमाचार घोषणा

दुबई शुभसमाचार घोषणा
अक्टूबर, २३-२७ २०१४

गोवा शुभसमाचार घोषणा
नवंबर १-२, २०१४

मुंबई ध्यानसभा (रिट्रिट)
नवंबर ८–९, २०१४

मुख्यकार्यालय
एस-4, ब्ल्यु नाइल अर्पाटमेन्टस
सी. एच. एस.लिमीटेड
प्लोट नंबर ३९, वरोडा रोड
बांद्रा (पश्चिम), मुंबई-४०००५०,
भारत

भारत
पी.ओ. बोक्स १६६५५
मुबई - ४०००५०, भारत
बुधवार कि प्राथना सभा
अधिक जानकारी के लिये कोल करे +९१ ६५००९७०१ / ०२

Live in the Spirit
BRO. MANUEL MINISTRIES

Printed at Jyoti Printers